एम0 म्युज गायन/वादन (सितार)

प्रथम सेमेस्टर

पाठ्यक्रम के सभी रागो का सम्पूर्ण परिचय–

विस्तृत राग – शुद्ध सारंग, मधुवंती, जोग, श्यामकल्याण

अर्धविस्तृत राग – हंस ध्वनि, मधुमाद सारंग, सूरमल्हार, जोगिया/हेमंत

प्रथम प्रश्नपत्र – राग परिचय एवं सिद्धांत पूर्णांक– 100

इकाई–1 पाठ्यक्रम के सभी रागो का संम्पूर्ण परिचय, समप्रकृति रागों का तुलनात्मक अध्ययन।

इकाई–2 निर्धारित रागों की बंदिशो/गतों को लिखने का अभ्यास।

इकाई–3 हिन्दुस्तानी और कर्नाटकी संगीत के रागो, तालो एवं गायन शैलियों का तुलनात्मक अध्ययन।

इकाई–4 जीवन परिचयः– उ0 अलाउद्दीन खॉ, हद्दू हस्सू खॉ, पं0 कंण्ठे महाराज, पं0 निखिल बैनर्जी।

द्वितीय प्रश्नपत्र –ताल परिचय एवं पाश्चात्य सिद्धांत पूर्णांक– 100

इकाई–1 गजझंपा, पंचम सवारी, ब्रम्हताल, गणेशताल का पूर्ण परिचय।

इकाई–2 पाठ्यक्रम में उल्लिखित तालो का ठाह, दुगुन, तिगुन, चौगुन इत्यादि लयकारी लिखने का अभ्यास।

इकाई–3 पाश्चात्य संगीत का सामान्य ज्ञान

पाश्चात्य संगीत की स्वरलिपि पद्धति।

इकाई–4 पाश्चात्य संगीत के विविध स्वर सप्तक

पाश्चात्य संगीत मे लय तथा मात्रा।

द्वितीय सेमेस्टर

विस्तृत राग – जोगकौंस, मारूबिहाग, देशी, पूरियाकल्याण।

अर्धविस्तृत राग – मेघमल्हार, हेम कल्याण, नट भैरव, झिंझोटी।

प्रथम प्रश्न पत्रः–भारतीय सौन्दर्यशास्त्र पूर्णांक– 100

इकाई–1 रस के चार सिद्धान्त।

इकाई–2 छंद, लय, ताल और रस।

इकाई–3 संगीत में रस का विनियोग, ललित कलाओ में संगीत का स्थान।

इकाई–4 भाव और रस, राग और रस।

द्वितीय प्रश्न पत्रः– भारतीय और पाश्चात्य संगीत सिद्धान्त पूर्णांक– 100

इकाई–1 ऑटोनामी तथा हेटरोनामी।

इकाई–2 संगीत के तीन ग्रामों का सिद्धान्त

इकाई–3 प्रबंध तथा उसके प्रकार

इकाई–4 संगीत के शास्त्रीय ग्रंथो का परिचयः–

नारदीय शिक्षा, मानसोल्लास, संगीत मकरंद।

प्रायोगिक पाठ्यक्रम

(मंच प्रदर्शन एवं मौखिकी) पूर्णांक–200

प्रथम सेमेस्टर

1. राग शुद्धसारंग, मधुवंती, जोग, श्याम कल्याण/भीम में विलंबित एवं द्रुत ख्याल, मसीतखानी एवं रजाखानी गत आलाप तान सहित गाने बजाने का पूर्ण अभ्यास।
2. राग हंसध्वनि, सूरमल्हार, मद्यमाद सारंग, जोगिया/हेमंत में बंदिश/रजाखानी गत आलाप तान सहित।
3. उपरोक्त किसी भी राग में ध्रुपद एवं धमार।
4. गजझंपा एवं पंचमसवारी तालो का ठाह, दुगुन, तिगुन, चौगुन सहित अभ्यास।
5. राग खमाज, पीलू, भैरवी में उपशास्त्रीय रचनाएँ/धुन
6. बी0 म्यूज पाठ्यक्रम के रागो व तालों का ज्ञान।

द्वितीय सेमेस्टर

(मंच प्रदर्शन एवं मौखिकी) पूर्णांक–200

1. राग जोगकौंस, मारूबिहाग, देशी, पूरियाकल्याण में विलंबित एवं द्रुत ख्याल मसीतखानी एवं रजाखानी गत आलाप तान सहित गाने बजाने का पूर्ण अभ्यास।
2. राग मेघ मल्हार, हेम कल्याण, नट भैरव एवं झिंझोटी में बंदिश/रजाखानी गत आलाप तान सहित
3. उपरोक्त किसी भी राग में ध्रुपद तथा धमार।
4. ब्रम्हताल एवं गणेश तालो का ठाह, दुगुन, तिगुन, चौगुन सहित अभ्यास।
5. राग काफी, झिंझोटी, पहाड़ी में उपशास्त्रीय रचनाएँ/धुन
6. बी0 म्यूज पाठ्यक्रम के रागो व तालो का ज्ञान।

एम0 म्युज गायन/वादन (सितार)

तृतीय सेमेस्टर

पाठ्यक्रम के सभी रागो का सम्पूर्ण परिचय–

विस्तृत राग – अहीर भैरव, आभोगी, बैरागी, बिलासखानी तोड़ी/गोरख कल्याण

अर्धविस्तृत राग – मारवा, सिंदूरा, भूपाल तोडी, चारूकेसी।

प्रथम प्रश्नपत्र – राग परिचय एवं सिद्धांत पूर्णांक– 100

इकाई–1 पाठ्यक्रम के सभी रागो का संम्पूर्ण परिचय समप्रकृति रागों का तुलनात्मक अध्ययन।

इकाई–2 निर्धारित रागों की बंदिशो/गतो को लिखने का अभ्यास।

इकाई–3 कंठ साधना विचार (Voice Culture)कंठ के गुण दोष।

इकाई–4 जीवन परिचयः– उ0 अब्दुल करीम खॉ, उ0 अल्लादिया खॉ, उ0 बड़े गुलाम अली खॉ, पं0 अनोखेलाल मिश्र।

द्वितीय प्रश्नपत्र – ताल परिचय एवं सिद्धांत पूर्णांक– 100

इकाई–1 लक्ष्मी ताल, शिखर, जतताल, अद्धाताल, मत्ततताल, पंजाबी तालो का पूर्ण परिचयं।

इकाई–2 पाठ्यक्रम मे उल्लिखित तालो का ठाह, दुगुन, तिगुन, चौगुन, आड़ इत्यादि लयकारी लिखने का अभ्यास।

इकाई–3 विभिन्न प्रदेशो का लोक संगीत एवं लोक नृत्य (उत्तर प्रदेश, बिहार, राजस्थान, गुजरात, पंजाब, महाराष्ट्र)

इकाई–4 सुगम संगीत एवं चित्रपट संगीत।

चतुर्थ सेमेस्टर

विस्तृत राग – भटियार, कलावती, गुर्जरी तोड़ी, देवगिरिबिलावल/चंद्रकौस।

अर्धविस्तृत राग – खंबावती, गुणकी, जैत, यमनी बिलावल/नायकी कान्हड़ा।

प्रथम प्रश्न पत्रः– शास्त्रीय संगीत का इतिहास पूर्णांक– 100

इकाई–1 राग तरंगिनी, राग तत्व विबोध, का पूर्ण परिचय।

इकाई–2 विभिन्न प्रकार के प्रबंधो का विधिक्त अध्ययन–

प्रबंध, वस्तु, रूपक, ध्रुपद, धमार, सादरा, ख्याल, ठुमरी टप्पा, दादरा, तराना, त्रिवट, चतुरंग, होरी, कजरी, भजन, कीर्तन, गजल, गीत, लोकगीत।

इकाई–3 राग वर्गीकरण (वैदिक काल से आधुनिक काल तक) ग्राम राग, राग रागिनी पद्धति।

इकाई–4 थाट पद्धति एवं रागांग पद्धति।

द्वितीय प्रश्न पत्रः– घरानो का संक्षिप्त इतिहास पूर्णांक– 100

इकाई–1 घराना का ऐतिहासिक अध्ययन गायन/ वादन के विविध घरानो का तुलनात्मक अध्ययन।

इकाई–2 आगरा, पटियाला, अल्लारियां खॉ घराना, सेनिया घराना, जयपुर, ग्वालियर आदि घरानो का पूर्ण अध्ययन व किन्ही तीन प्रतिनिधि गायक/वादको का परिचय।

इकाई–3 रविन्द्र संगीत का प्रारंभिक परिचय।

इकाई–4 ध्वनि विज्ञान।

प्रायोगिक पाठ्यक्रम

(मंच प्रदर्शन एवं मौखिकी) पूर्णांक–200

तृतीय सेमेस्टर

1. राग अहीर भैरव, आभोगी, बैरागी, बिलासखानी तोड़ी/गोरख कल्याण में बिलंबित एवं द्रुत ख्याल, मसीतखानी एवं रजाखानी गत आलाप तान सहित गाने बजाने का पूर्ण अभ्यास।
2. राग मारवा, भूपालतोड़ी, सिदूंरा, चारूकेसी, में बंदिश/रज़ाखानी गत आलाप तान सहित। किसी अन्य तालो में गत।
3. उपरोक्त किसी भी राग में ध्रुपद एवं धमार।
4. लक्ष्मी, शिखर तथा जततालो में ठाह, दुगुन, तिगुन, चौगुन तथा आड़ लयकारियो का अभ्यास।
5. राग काफी, मिश्र खमाज, पीलू, भैरवी में उपशास्त्रीय रचनाएँ/धुन।
6. किन्ही दो रागो में तरानो का ज्ञान।
7. पूर्व वर्ष के रागो व तालों का ज्ञान।

चतुर्थ सेमेस्टर

(मंच प्रदर्शन एवं मौखिकी) पूर्णांक–200

1. राग भटियार, कलावती, गुर्जरी तोड़ी, देवगिरि बिलावल/ चंद्रकौंस में विलम्बित एवं द्रुत ख्याल, मसीतखानी एवं रजाखानी गत आलाप तान सहित गाने बजाने का पूर्ण अभ्यास।
2. राग खबांवती, गुणक्री, जैत, यमनी बिलावल/नायकी कान्हड़ा में बंदिश/रजाखानी गत आलाप तान सहित। किसी अन्य तालो में गत।
3. उपरोक्त किसी भी राग में ध्रुपद एवं धमार।
4. अद्धा, मत्त व पंजाबी तालो का ठाह, दुगुन, तिगुन चौगुन तथा आड़ लयकारियो का अभ्यास।
5. राग काफी, झिंझोटी, तिलंग में उपशास्त्रीय रचनाएँ/धुन।
6. किन्ही रागो में तिरवट व चतुरगं का ज्ञान।
7- पूर्व वर्ष के रागो व तालो का ज्ञान